अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2021-22

कक्षा : 10 वीं

विषय : हिन्दी

A-समय- 3 घण्टा] **[पूर्णांक- 75**

निर्देश - सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

1. प्रश्न क्रमांक 1 में वस्तुनिष्ठ प्रश्न है । इसमें खण्ड अ, ब तथा स हैं, प्रत्येक खण्ड में 5 प्रश्न है तथा प्रत्येक प्रश्न में 1 अंक निर्धारित है।
2. प्रश्न क्रमांक 2 से 6 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न । प्रत्येक में 2 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्रमांक 7 से 10 तक लघु उत्तरीय प्रश्न । प्रत्येक में 3 अंक निर्धारित है ।
4. प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक लघु उत्तरीय प्रश्न । प्रत्येक में 4 अंक निर्धारित है ।
5. प्रश्न क्रमांक 16 व 17 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रत्येक में 5 अंक निर्धारित है ।
6. प्रश्न क्रमांक 18 निबंधात्मक प्रश्न । प्रत्येक में 8 अंक निर्धारित है ।

प्रश्न 1. (अ) सही विकल्प चुनकर लिखिए -

(1) नर्मदा का उद्‌गम स्थान है -

(अ) अमरकंटक (ब) कश्मीर

(स) इलाहाबाद (द) छत्तीसगढ़।

(2) 'जनतंत्र' से आशय है -

(अ) राजा का शासन

(ब) प्रजा का शासन

(स) जनता और राजा दोनों का शासन

(द) इनमें से कोई नहीं।

(3) 'घीसा की झोपड़ी' किस नदी किनारे थीं -

(अ) गंगा (ब) यमुना

(स) गोदावरी (द) नर्मदा।

(4) शहीद वीर नारायण सिंह जमींदार थे -

(अ) कोमाखान (ब) सोनाखान

(स) माटीखान (द) राजिम।

(5) 'ये जिनगी फेर चमक जाए' कविता किस भाषा में लिखी गई है -

(अ) हिन्दी (ब) छत्तीसगढ़ी

(स) संस्कृत (द) पाली।

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(1) झरते फूल हर सिंगार के रचनाकार ..... है।

https://www.cgboardonline.com

(2) कवि दिनकर ..... के लिए सिंहासन खाली करने की बात कहते हैं।

(3) माटी वाली ..... स्थान से मिट्टी लाकर बेचती है।

(4) एकाकी जीवन की व्यथा को ..... नामक कविता में चित्रित किया गया है।

(5) जीवन एक ..... के समान है।

(स) उचित सम्बंध जोड़िए -

खण्ड-क	-	खण्ड-ख
(1) बादल को घिरते देखा है	-	सतीश जायसवाल
(2) अपनी-अपनी बिमारी	-	डॉ. परदेशीराम वर्मा
(3) गृह प्रवेश	-	नागार्जुन
(4) मरिया	-	कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर
(5) एक था पेड़ एक था ठूंठ	-	हरिशंकर परसाई

प्रश्न 2. वनवासियों का जीवन कैसा होता है?

प्रश्न 3. लेखक टैक्स की बीमारी को क्यों अपनाना चाहता है?

प्रश्न 4. तुरतुरिया नामक स्थान क्यों प्रसिद्ध है?

प्रश्न 5. पसीने की अमृत से तुलना क्यों की गई है। समझाइए?

प्रश्न 6. बाँस के हरे भरे पेड़ और ढूँढ के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?

प्रश्न 7. भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल माना जाता है। क्यों?

प्रश्न 8. मानसरोवर के कमल को स्वर्णिम कमल कहने का क्या आशय है।

प्रश्न 9. 'मरिया' प्रथा ने सिकुमार की जिन्दगी को किस तरह बदल दिया?

प्रश्न 10. रीतिकाल की मुख्य विशेषताएं बताइए?

प्रश्न 11. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की संदर्भ, प्रसंग एवं विशेष सहित व्याख्या कीजिए -

(अ) जमींदार होने के बाद भी वीर नारायण सिंह बहुत सादा जीवन व्यतीत करते थे। उनका मकान बड़ी हवेली था किला नहीं था बल्कि बाँस और मिट्टी से बना साधारण मकान था। वे आम जनता के बीच समरस होकर ही अपने क्षेत्र का दौरा करते थे और रैय्यत की समस्याओं एवं कठिनाइयों का हल खोजते थे।

अथवा

(ब) हिलना और झुकना, अर्थात परिस्थितियों से समझौता। जिस जीवन से समझौता नहीं, समन्वय नहीं, सामंजस्य नहीं, वह जीवन कहाँ है? वह तो जीवन की जड़ता है, जैसे यह ढूँठ और जैसे यह पहाड़ का शिखर।

https://www.cgboardonline.com

प्रश्न 12. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की संदर्भ-प्रसंग विशेष सहित व्याख्या कीजिए -

(अ) पहले लटकाई मैने, धान की बालियों बाली झालर,
दरवाजे की चौखट पर, फिर भेजा चिड़ियों को न्यौता,
गृहप्रवेश का विधिवत।
चिड़ियों ने भी न्यौता को मान दिया,
आई दाना चुगा और लौट गई,
बाहर ही बाहर दरवाजे से वैसे,
समारोह के बाद जैसे लौटते हैं, आमंत्रित अतिथि सभी।

अथवा

(ब) निर्झर कहता है, बढ़े चलो, तुम पीछे मत देखो मुड़कर।
यौवन कहता है, बढ़े चलो, सोचो मत क्या होगा चलकर।
चलना है, केवल चलना है, जीवन चलता ही रहता है।
मर जाना है रूक जाना ही, निर्झर यह झरकर कहता है।

प्रश्न 13. कोठी म धान छलक जाए ये जिनगी फेर चमक जाए पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए?

अथवा

तानाशही क्या है? तानाशाह की जीवन शैली कैसी होती है? अपने शब्दों में लिखिए। https://www.cgboardonline.com

प्रश्न 14. कवि ने बसंत ऋतु के दृश्य का चित्रण किया है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

टिप्पणी लिखिए -

(क) सोनमुड़ा, (ख) अभ्रकूट, (ग) मैकल, (घ) माई की बगिया।

प्रश्न 15. वीर नारायण सिंह की विद्रोह की रणनीति क्यों असफल हुई?

अथवा

सुआ (गीत) नृत्य के समय टोकनी में धान के ऊपर सुआ रखने का क्याअर्थ है?

प्रश्न 16. नि.लि.अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

जीवन में समय नियोजन ही सफलता की कुंजी है। इस समय का चक्र अपनी गति से चल रहा है या यूँ कहे कि भाग रहा है। अक्सर इधर-उधर कहीं न कहीं से यह सुनने को मिलता है कि क्या करे, समय ही नहीं मिलता। वास्तव में हम निरंतर गतिमान समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चल नहीं पाते और पिछड़ जाते हैं। चाणक्य

https://www.cgboardonline.com

ने कहा है - ''जो व्यक्ति जीवन में समय का ध्यान नहीं रखता, उसके हाथ असफलता और पछतावा ही लगता है।'' ''कबीरदास जी ने भी काल करै सो आज कर, आज करै सो अब'' कह कर काम को कल पर नहीं टालने की सीख दी है। समय जैसे बहुमुल्य धन को सोना-चाँदी की तरह संरक्षित नहीं रखा जा सकता क्योंकि समय तो गतिमान है। इस पर हमारा अधिकार तभी तक है, जब तक हम इसका सदुपयोग करें अन्यथा यह नष्ट हो जाता है।

प्रश्न 1. व्यक्ति जीवन की दौड़ में कब पिछड़ जाता है?

प्रश्न 2. चाणक्य के अनुसार समय का ध्यान न रखने वाले व्यक्ति को जीवन में क्या मिलता है।

प्रश्न 3. जीवन में सफलता की कुंजी किसे बताया गया है और क्यों?

प्रश्न 4. समय जैसे बहुमूल्य धन को सोने-चाँदी के समान क्यों नहीं रखा जा सकता है?

प्रश्न 5. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए

प्रश्न 17. नगर के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर सफाई व्यवस्था ठीक न होने की शिकायत दीजिए।

अथवा

परीक्षा अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्र (लाउडस्पीकर) पर प्रतिबंध लगाने हेतु जिलाधीश को आवेदन पत्र लिखिए।

प्रश्न 18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250-300 शब्दों में निबंध लिखिए -

(1) छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी - नरवा, गरवा, घुरवा, बारी

(2) ग्लोबल वार्मिंग

(3) प्रदूषण के कारण एवं निदान

(4) बेरोजगारी की समस्या (कारण और निदान)

https://www.cgboardonline.com

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से